Written by बटियां खबर
Friday, 08 March 2013 23:48

□□□□□ □□ □□□□ □□□□, □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□-□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□

: □□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ :□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□, □□□□□ □□□□□, □□□□□ □□□□□□□-□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ :□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□□□ :□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□-□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ :

जौनपुर: मौका था महलि दविस का आयोजन कयिा था जलि प्रशासन ने स्थान तय हुआ था जलि अस्पताल का परसिर आना था अफ्सरों के साथ अल्ट्रासाउंड से जुड़े डॉक्टरों को मौजूद थे ज्यादातर फर्जी अल्ट्रासाउंड सेंटर के मालकि गैरमौजूद थे जलिाधकिारी और जलि चकित्साधकिारी समेत बड़े अफ्सर नतीजा, डॉक्टरों ने इस महत्वपूर्ण बैठक की कार्रवाई और उसके तौर-तरीकों पर सख्त ऐतराज जताया और कहा कि इस हालत के लि जम्मिेदार डॉक्टर ही हैं और अब वे अपना मुंह नहीं छपिा सकते इन डॉक्टरो ने साफ कहा कि जब तक फर्जी अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की जाएगी, कन्याभ्रूण हत्या की समस्या का समाधान नामुमकनि है बहरहाल, अब तय हुआ है कि बेहद गम्भीर मसले से जुड़े इस पूरे प्रकरण पर आईएम प्रदेश और देश के स्तर पर हस्तक्षेप करने की कार्रवाई करेगा

यह हालत थी आज वशि्व महलि दविस के अवसर पर यूपी के पूर्वांचल क्षेत्र में स्थति जौनपुर जलि के मुख्यालय में आयोजति डॉक्टरों की बैठक की जलि अस्पताल परसिर में आयोजति की गयी थी यह बैठक मकसद था कि किसी भी तरह कन्या भ्रूण हत्या पर लगाम लगायी जा और ऐसा काम करने वालों पर सख्त कार्रवाई के घेरे में रखा जा

पूर्वनयिोजति बैठक के तहत आज सुबह जलि अस्पताल में बैठक आयोजति की गयी थी लेकनि कन्याभ्रूण संरक्षण के लि जम्मिेदार कोई भी अफ्सर इस बैठक में नहीं पहुंचे न तो जलिाधकिारी पहुंचे और न ही जलि चकित्सा अधकिारी ने ही औपचारकित्ता से ही सही, नहीं हाजरी लगायी बैठक में केवल आईएम यानी इंडयिन मेडकिल सोसयिेशन की जौनपुर इकाई के पदाधकिारी ही पहुंचे थे जो सीधे-सीधे तौर पर रेडयिोलॉजी से जुड़े डॉक्टरों के साथ-साथ ऐसे लोग भी बड़ी संख्या में मौजूद थे जनिके इस बैठक में बुलवाना अनावश्यक था मसलन, वरषि्ठ चकित्सक वी सहाय, क्षतिजि शर्मा, मेजर के मौर्या, आलोक वर्मा, देवप्रकाश सहि, श्रीमती स्मति श्रीवास्तव जैसे डाक्टर मौजूद थे दो डप्टिी सीएमओ स्तर के दो अधकिारयिों के साथ करीब क दर्जन से ज्यादा ऐसे लोग भी बैठक में मौजूद थे जनिकी अपनी नजिी अल्ट्रासाउंट सेंटर थी, लेकनि इसके बावजूद यह लोग केवल व्यवसायी थे, चकित्सक या वशिेष-वशिेषज्ञ नहीं

शुरूआत में ही मामला भड़क गया कन्याभ्रूण संरक्षति करने के मसले पर आयोजति इस बैठक पर चकित्सकों के बजाय ज्यादातर गैरजानकार और वशिुद्ध व्यवसायियों को बुलाये जाने को लेकर यह चकित्सक बुरी तरह भड़क गये डॉक्टर क्षतिजि शर्मा ने तो यहां तक कह दिया कि यह बैठक नहीं केवल खानापूरी

है या फरि केवल नाटक। हम यहां समस्याओं का समाधान खोजने आये हैं, न कि चंद गैरजरूरी लोगों की मौजूदगी दखिाकर खानापूर्ति और फरि केवल नाश्ता करने-कराने के लि। उन्हें खेद व्यक्त किया कि इस हालत से कन्याभ्रूण हत्या पर प्रभावी रोक नहीं लगायी जा सकती है। अगर सरकार या प्रशासन इस सर्वाधिक संवेदनशील मसले वाकई गंभीर है तो उसे पहले अपना तौर-तरीका बदलना होगा, अन्यथा इसका मुकाबला किया जा पाना मुमकिन नहीं है। उनका कहना था कि लगता है कि इस बैठक में समाधान नहीं, बल्कि सरकारी बजट का बेजा इस्तेमाल किया जा रहा है।

बैठक में डॉक्टर देवप्रकाश सहि ने सीधे तौर पर वहां उपस्थति डॉक्टर वी सहाय की गतविधियों पर ऐतराज किया कि उन्होंने अपनी डिग्री के आधार पर मान्यता प्रदान करायी है जो जलिा अस्पताल के सामने स्थति है और इसी वेलकम डायग्नोस्टकि सेंटर के कनर्स द्वारा अल्ट्रासाउंड किया जा रहा है। लेकनि हैरत की बात है कि इस सेंटर को जलिा प्रशासन ने अनुमत जारी कर दी है। डॉक्टर सहाय पर अरोप था कि इसी प्रमाण पत्र के आधार पर ही वेलकम डायनोस्टक्सि सेंटर को अनुमति दी गयी है, जो पूरी तरह फर्जी और गैरकानूनी है। उनका कहना था कि जब डॉक्टर सहाय जैसे वरिष्ठ चकित्सिक चंद पैसों के चलते इस तरह अपनी डिग्रियों को फर्जी लोगों के नाम जारी करेंगे तो आम मरीज तो दूर, कन्याभ्रूण संरक्षण का अभयिान ही सपना बन जागा। उनका कहना था कि यह सारा कुछ राजनीतकि हस्तक्षेप और स्वार्थी कारणों से ज्यादा हो रहा है जसिका आधार झोलाछाप डॉक्टर ही हैं। जगह-जगह पर नई लसि्ट चस्पा की जा, जसिमें डॉक्टर और वहां बैठने वालें डॉक्टरों के बैठने का तयशुदा समय का ब्योरा दर्ज हो, साथ ही यह भी स्पष्ट हो कि आम मरीज को अगर दक्कित-शकियत हो तो वह कहां और कसिसे के साथ ही साथ कसि तरह से अपना ऐतराज दर्ज सके।

डॉक्टर क्षतिजि की नेतृत्व में आइमए जौनपुर ने अगस्त-12 से जौनपुर के पूर्व जलिाधकिारी डॉक्टर बलकार सहि से मलि कर कन्या भ्रूण-संरक्षण की दशिा में अनेक मसलों पर गंभीर चर्चा की थी। इन बैठकों का मकसद केवल यही था कि कसि तरह फर्जी और धंधेबाज अल्ट्रासाउंड सेंटरों द्वारा भ्रूण- परीक्षण के नाम पर कन्या-भ्रूण परीक्षण और उनकी हत्या की साजशिें की जा रही हैं। बैठक में डॉक्टरों ने कहा था कि हमारी बेटी नामक कवेबसाइट भी तैयार की जा चुकी है जो कन्या-भ्रूण संरक्षण पर नगिरानी की शीर्ष संस्था की भूमकिा नभिायेगी। बैठक में प्रशासन से अनुरोध किया कि कन्या-भ्रूण संरक्षण को लेकर इसी साइट पर तैयार फार्मेट को मंजूरी दी जा। इसके लि आईमए जौनपुर ने जलिे के पूर्व जलिा जज से पहले से ही अनुमति जारी का अनुरोध किया था। डॉ देवप्रकाश सहि ने तो यहां तक कह दयिा कि सरकार और प्रशासन कहता है कि कन्या-भ्रूण हत्या नहीं हो रही है, जबकि मैं कहता हूं कि जौनपुर यह बदहालत खूब है। यह अवैध और अमानवीय काम जोरों पर है। जरूरत है इस पर लगाम लगाने की और जब तक फर्जी डाक्टरों पर अंकुश नहीं लगाया जागा, कुछ नहीं होगा।

खैर, उधर जलिे के कई प्रबुद्ध चकित्सकों और वरिष्ठ नागरिकों ने मांग की है कि कन्या-भ्रूण हत्या की साजशिों का खुलासा से जुड़े स्टिंग आपरेशन करने वालों को पुरस्कार जरूर दे और फौरन दे। इन लोगों का कहना है कि यह इसलि जरूरी है ताकि इस काले धंधे का खुलासा हो सके। उनका कहना था कि पुरस्कार देने के लि 50 हजार रूपये तक का ईनाम दयिा जा, और सरकार व प्रशासन के लि पीसीपीनडीटी फंड के लि पर्याप्त रकम मौजूद है। सवाल यह है कि आखरि तब ऐसा हो क्यों नहीं पा रहा है। डॉ देवप्रकाश सहि ने जरूरत इस बात बतायी कि अल्ट्रासाउंड का ऑनलाइन रकिार्ड किया जा, पेशेंट का फालोअप हो, रकिार्डगि हो और कम से कम दो साल तक का हसिाब हो ताकि अगर कोई गड़बड़ हो तो उसे फौरन पकड़ा जा सके। उनका कहना था कि इस बारे में सर्वोच्च न्यायालय पहले ही आदेश जारी कर चुका है कि अल्ट्रासाउंड का इलेक्ट्रानकि रकिार्ड रखना अनवािर्य है, लेकनि जो अब तक जौनपुर में लागू नहीं किया जा सका है। डॉक्टर देव प्रकाश सहि ने आशा ही नहीं, बल्कि वशि्वास जताया है कि यदि डॉक्टर और प्रशासन इस मामले पर आईमए के साथ कजुट होगा तो कन्या-भ्रूण हत्या को कमहीने के भीतर पर जड़ से खत्म किया जा सकेगा।

आपको अगर कन्या-भ्रूण हत्या से जुडी खबरों को देखना-पढ़ना है तो कृपया क्लकि करें:- कतिनी गंभीर हालत है इस देश में कन्या-भ्रूण संरक्षण पर

अथवा □□□□□□-□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ अल्ट्रासाउंड

कन्याभ्रूण हत्या मसले पर समाधान खोजने वाली बैठक में न आये डीएम, न सीएमओ

Written by बटिया खबर
Friday, 08 March 2013 23:48

3 / 3